गाँधी जैसा रखवाला है

गरीब की ढाल बनकर
जिसने दर्द को जाना है,
मारवाड़ के जादूगर ने
सबको अपना माना है,
समस्या हल करने को
सुदर्शन चक्र चलाया है,
पेट की भूख मिटाने को
जादू का डंडा चलाया है,
युवा हो या महिलाएं हो
रोजगार देने का ठाना है,
सयंम शक्ति से अशोक ने
गाँधी का रूप दिखाया है,
पेंशन देकर सबके घर मे
प्रकाश का दीप जलाया है,
जनता के लिए सरकार ने
ख़ुशी का परचम फैलाया है,
फिर मानवता के पुजारी ने
गाँधी का रूप दिखाया है,
इसी लिए जनता जनार्दन
उमंग उल्लास से कहती है,
अशोक नही यह आँधी है
राजस्थान का सच्चा गाँधी है,

गोपाल कृष्ण व्यास "तनुज"